

बाला या काँई थार जचगी पुंछ को फटकारो लंका जलगी



बाला या काँई थार जचगी,
पुंछ को फटकारो मारयो,
लंका जलगी।bd।

श्रीराम को ले संदेशो हनुमत लंका जाव,
सो योजन समुन्दर न पल भर म नापयाव,
सुरसा मारग माही मिलगी,
पुंछ को फटकारो मारयो,
लंका जलगी।bd।

सुरसा न हरायो बालो लंका माही आयो,
रावण का राक्षसडा सु पल माही टकरायो,
फौदा रावणा की भिडगी,
पुंछ को फटकारो मारयो,
लंका जलगी।bd।

जा बगिया म सीता मां न देदी राम निशानी,
अक्षय मार गिरायो जद वो घबरायो अभिमानी,
मति रावण थारी फरगी,
पुंछ को फटकारो मारयो,
लंका जलगी।bd।

तेल और रुई मंगवाकर पुंछ म आग लगायो,
एक एक कर बाला सारी लंका न जलाया,
नैया भक्ता की तिरगी,
पुंछ को फटकारो मारयो,
लंका जलगी।bd।

बाला या काँई थार जचगी,
पुंछ को फटकारो मारयो,
लंका जलगी।bd।

प्रेषक – धरम चन्द नामा(नामा म्युजिक)

9887223297



समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>